सदैव ध्यान में रखें :

दूसरी इकाई

जीवन बहुमूल्य है, इसे बचाएँ ।
खाई में झाँककर, न व्यर्थ गवाएँ ।।

रास्ते में गाड़ी न करें खड़ी ।
दूसरों को होगी कठिनाई बड़ी ।।

अनुशासन, नियम सब मानेंगे ।
मजा तैरने का जानेंगे ।।

तैरना है सर्वोत्तम व्यायाम ।
आलस भगाएँ, पाएँ आराम ।।

पढ़ो:

बच्चो !

''जब मैं पाँचवीं कक्षा में था तब मेरी उम्र १० साल की थी । रामेश्वरम द्वीप में मेरे शिक्षक थे सुब्रह्मण्यम अय्यर । वे एक दिन हमें बता रहे थे कि पक्षी कैसे उड़ते हैं । सिर्फ पक्षी कैसे उड़े यही नहीं । मेरा भविष्य भी कैसा होना चाहिए वह भी उन्होंने मुझे सिखाया । उसके बाद मैं रॉकेट इंजीनियर बना । अंतरिक्ष विज्ञानी बना और अंत में राष्ट्रपति भवन तक पहुँचा । कहना यह है कि आपके जीवन में निश्चित ध्येय होना चाहिए ।

दूसरी बात पसीना बहाने की है । एक बार जब आप ध्येय तय कर लें तब आपको उसके लिए पसीना बहाना ही पड़ता है ।

तीसरी बात है, उसमें कई कठिनाइयाँ भी आएँगी किंतु आपको उनसे डरना नहीं है । प्रश्न के ऊपर विजय प्राप्त करो, प्रश्न आपके ऊपर सवार नहीं होना चाहिए ।''

डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

● देखो, बताओ और चर्चा करो :

१. विज्ञान प्रदर्शनी

❑ विद्यार्थियों से दिए गए चित्रों का निरीक्षण कराएँ । चित्रों में विद्यार्थी क्या-क्या कर रहे हैं ? पूछें । विज्ञान से संबंधित उनका अपना पूर्वानुभव कहलवाएँ । दिए गए वाक्यों पर चर्चा करें । अपने विद्यालय में मनाए गए विज्ञान दिवस संबंधी प्रश्नोत्तर पूछें ।

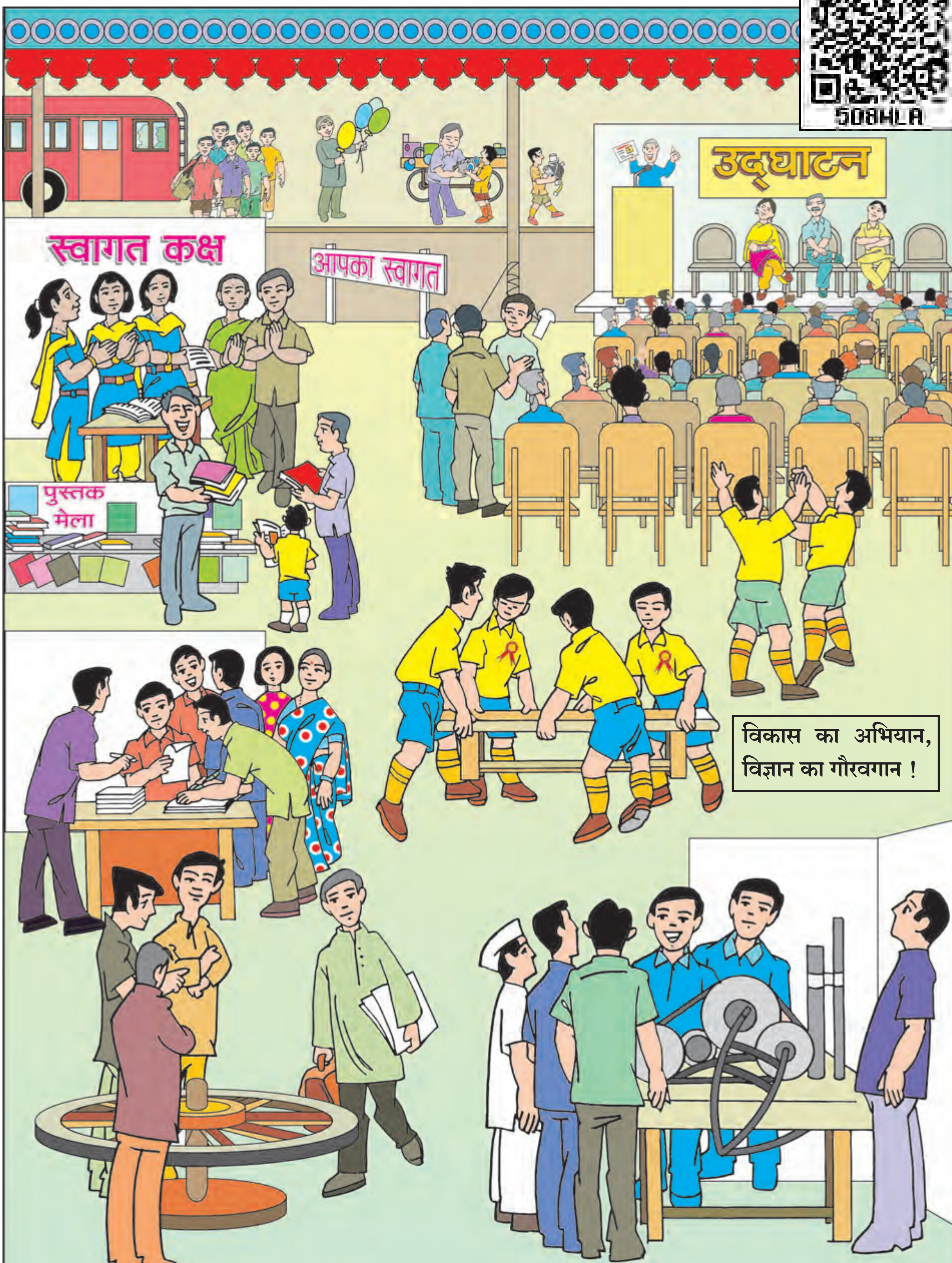

❑ विद्‌यालय की प्रयोगशाला संबंधी जानकारी प्राप्त करें । प्रयोगशाला में उपलब्ध विज्ञान-सामग्री के नाम पूछें । सामग्री की सूची बनवाएँ । विज्ञान से संबंधित कोई छोटा उपकरण बनाने के लिए प्रेरित करें तथा उसकी जानकारी बताने के लिए कहें ।